ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | अप्रैल-II-2025 | अंक - 02 | माउण्ट आबू | Rs.-12

शिवरात्रि महापर्व पर ब्रह्माकुमारीज़ पानीपत द्वारा आध्यात्मिक मेला एवं महासम्मेलन...

शिव का ज्ञान अपनाने में ही समाया सबका कल्याण

पानीपत-हरियाणा। ब्रह्माकु मारीज़ पानीपत सेवाकेन्द्र द्वारा आध्यात्मिक मेला एवं महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस द्वादश ज्योतिर्लिंग मेले द्वारा हज़ारों की संख्या में भाई-बहनों को आध्यात्मिक संदेश दिया और सभी ने गहरी आध्यात्मिक अनुभूति की। आध्यात्मिक महासम्मेलन में अपनी शुभकामनाएं देते हुए मुरथल के श्री-श्री 1008 स्वामी दयानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि भगवान शिव सारे विश्व के कल्याणकारी हैं। उनके ज्ञान को अपनाने में ही सच्चा कल्याण समाया हुआ है। इन ब्रह्माकुमारी बहनों ने परमात्मा शिव के सत्य ज्ञान को प्रैक्टिकल जीवन में धारण किया है। ये बहनें धन्य हैं जिन्होंने सारे संसार का कल्याण करने हेतु अपने जीवन को शिव परमात्मा के बेहद कार्य में समर्पित किया है। पानीपत सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि राजयोग केवल एक साधना नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा है। जब हम राजयोग का अभ्यास करते हैं तो न केवल हमारे जीवन में परिवर्तन आता है, बल्कि हम पूरे समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाते हैं। सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को उन्होंने राजयोग का अभ्यास कराया। ब्र.कु. भारत भूषण,डायरेक्टर जीएमएस,पानीपत ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व ही नहीं, बल्कि यह आत्मा के जागरण का पर्व है। जब हम भगवान शिव को उनके वास्तविक स्वरूप-ज्योति बिंदु के रूप में पहचानते हैं और राजयोग द्वारा उनसे सम्बन्ध जोड़ते हैं, तब हमें जीवन में सच्ची शक्ति और आनंद प्राप्त होता है। ब्र.कु. सुनीता बहन,हुड्डा ने कहा कि केवल प्रार्थना करने से आत्मा को शक्ति नहीं मिलती, बल्कि ईश्वर से सम्बन्ध जोड़ने और उनके स्वरूप में स्थित होने से मिलती है। ब्र.कु. डॉ. दामिनी,अहमदाबाद ने शिव भजनों की भक्तिमय प्रस्तुति दी। ब्र.कु. गुलशन ने भी शिव भक्ति गीत गाया। ब्र.कु. ज्योति ने मंच का कुशल संचालन किया। बच्चों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया और दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

ब्रह्माकुमारीज़ समाज को सही दिशा दिखा रहीः स्वामी परमानंद

आचार्य स्वामी परमानंद महाराज, मध्य प्रदेश ने कहा कि आज के समय में संसार शांति और सुख की तलाश में भटक रहा है। लोग सोचते हैं कि महंगे सामान खरीदने से, दुनिया घूमने से, ऊँचा पद और प्रतिष्ठा पाने से सुख मिलेगा। लेकिन वास्तविकता ये है कि इन सबसे भी मनुष्य की आत्मा खाली और अशांत ही रहती है। उन्होंने कहा कि सच्ची शांति ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग से मिलती है जिसे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था सीखा रही है। बहनें सच्चे संत हैं जो समाज को सही दिशा दिखा रही हैं।

बेहतर समाज के निर्माण में...

भौतिक विकास के साथ नैतिक मूल्यों का इत्र भी बहुत ज़रूरी

शक्तिनगर-दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ डेरावल नगर सेवाकेन्द्र पर 'मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में महिलाओं का योगदान' विषय पर जानकारी एवं मनोरंजन पैनल चर्चा का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की वरिष्ठ निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि महिलाएं समाज की नींव होती हैं और उनके नैतिक मूल्य समाज को सशक्त एवं समृद्ध बनाते हैं। वे बच्चों को संस्कार, ईमानदारी और सद्भावना की शिक्षा देकर एक आदर्श नागरिक तैयार करती है। महिलाओं की शिक्षा और जागरूकता से समाज में समानता, न्याय और नैतिकता को बढ़ावा मिलता है। जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो पूरा समाज उन्नति की ओर अग्रसर होता है। महिलाएं बाह्य श्रृंगार के साथ-साथ मूल्यों जैसे नम्रता, धैर्यता, पवित्रता, साहस, सरलता, हर्षितमुखता, दिव्यता आदि द्वारा आंतरिक श्रृंगार भी करे तो समाज के सामने दिव्यता का मिसाल बन जायेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए पंजाब केसरी,दिल्ली की निदेशिका श्रीमती किरण चोपड़ा ने कहा कि श्रेष्ठ सनातन संस्कारों की पुनर्स्थापना में महिलाओं का योगदान ब्रह्माकुमारीज़ के साथ अतुलनीय है।

इस अवसर पर 16 विशिष्ट महिलाओं को 'शिव शक्ति' सम्मान से किया सम्मानित

पंजाब केसरी समूह की निदेशिका किरण चोपड़ा, कमला नगर की निगम पार्षद श्रीमती रेनू अग्रवाल, मलका गंज निगम पार्षद श्रीमती रेखा अमरनाथ, झज्जर मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. रितु सिंह, डीयूडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रो. गीता सहारे, डॉ. शशि रहेजा, डॉ. जयपाल, प्रसिद्ध ओडीसी नर्तक डॉ. चंदना रौल, प्रसिद्ध कथक नर्तक पंडित लेखराज कोहली, सब्जी मण्डी थाना एसएचओ राम मनोहर मिश्र, डॉ. मालविका सिंह,दौलत राम कॉलेज तथा श्रीमती रीना सक्सेना थे। डॉ. अदिति सिंघल ने संस्था का परिचय दिया तथा इंटरेक्टिव की निदेशिका श्रीमती मोनिका गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मस्तिष्क में 'क्लॉट' की राजयोग द्वारा की सर्जरीः डॉ गुप्ता

अटलादरा-गुज.। राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी की चतुर्थ पुण्यतिथि के निमित्त 'पॉवर ऑफ वन थॉट' पर स्पेशल बिज़नेस सेमिनार आयोजित हुआ। इस मौके पर दिल्ली से जीबी पंत हॉस्पिटल के डायरेक्टर और कार्डियोलॉजी प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता ने दृढ़ संकल्प की शक्ति से हमारा बिलीफ सिस्टम कैसे असाध्य कार्यों में भी हमें सफल बना सकता है, यह वैज्ञानिक तथ्यों के उदाहरण के साथ समझाया। आगे बताया कि किस प्रकार नकारात्मक चिंतन की वजह से शरीर और मन दोनों आंतरिक रूप से जर्जर हो जाते हैं जोकि कम उम्र में ऐसे हृदय रोगी जिनका खुद डॉ. गुप्ता ने इलाज किया, उसका उदाहरण देकर उन्होंने इस सिद्धांत को और भी स्पष्ट रूप से बताया। डॉ. गुप्ता ने यह समझाया कि नकारात्मकता की जगह सकारात्मकता की शक्ति को अपने मन और जीवन में ले आने से हम कई बीमारियों से छूट सकते हैं। अपने सकारात्मक स्वभाव-संस्कारों को राजयोग के माध्यम से सहज ही विकसित किया जा सकता है। इसलिए राजयोग को ज़िंदगी में शामिल करके हम अपने मन को शक्तिशाली और संस्कारों को श्रेष्ठ बनाकर एक नई सुखमय संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं। क्योंकि विचार ही हमारे व्यक्तित्व का आधार हैं। एक अच्छे व्यक्तित्व के द्वारा ही अच्छे संबंध और अच्छे वातावरण की रचना होती है तब एक अच्छा समाज बनता है। अपना अनुभव साझा करते हुए डॉ. गुप्ता ने बताया कि संकल्प शक्ति कितने प्रभावशाली तरीके से काम करती है। उसके कई प्रयोग और अनुभव उन्होंने अपने जीवन में किए हैं। सन् 2003 में उनके मस्तिष्क में एक क्लॉट हुआ जिसका ऑपरेशन किया गया। लेकिन कुछ ही समय बाद मस्तिष्क में दूसरी जगह भी क्लॉट हुआ जिसका ऑपरेशन भी नहीं किया जा सकता था और दवाई भी असर नहीं कर रही थी। उस समय राजयोग के गहन अभ्यास द्वारा अपनी मानसिक शक्ति और संकल्पों की सकारात्मकता को निरंतर बढ़ाते हुए अपने मन को शक्तिशाली बनाए रखा। राजयोग अभ्यास में अपने सुंदर चिंतन के माध्यम से मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर संचार किया जिसके फलस्वरूप वह क्लॉट अपने आप ही पूरी तरह से समाप्त हो गया। डॉ. गुप्ता अपने बाल्यकाल से ही ब्रह्माकुमारीज़ संस्था से जुड़कर नियमित आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग का अभ्यास करते आ रहे हैं। उसके साथ अपनी मेडिकल की पढ़ाई को उत्कृष्ट तरीके से करते हुए 18 गोल्ड मेडल और 5 सिल्वर मेडल प्राप्त किए हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. मितेश शाह,प्रेसिडेंट ऑफ आईएमए, धुमिल पटेल,प्रेसिडेंट ऑफ केरडाई, अंकुर पटेल,प्रेसिडेंट ऑफ वीसीसीआई, तारक पटेल,प्रेसिडेंट ऑफ एफजीआई, निमिष मेहता,प्रेसिडेंट ऑफ जीसीसीआई, परेश परीख,प्रेसिडेंट ऑफ व्यापार विकास मंडल, डॉ. अनिल बिसेन,वीसी ऑफ आईटीएम यूएनआई, राजीव भट्ट,एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम शुभारम्भ से पहले राजयोगिनी ब्र.कु. दादी हृदयमोहिनी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अरुणा बहन, ब्र.कु. पूनम बहन सहित भाई-बहनों ने श्रद्धांजलि दी। सेमिनार में लगभग 1000 लोग शामिल रहे।

- मेडिटेशन जीवनशैली ऊर्जा का श्रेष्ठ स्रोत
- संकल्प शक्ति सबसे प्रभावी टूल
- बीमारी से बचाती सकारात्मक सोच
- राजयोग से बनता मन शक्तिशाली